

ग्रसाबारण

EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3--उप-खण्ड--(ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

पाणिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

र्सं० 116] नई विल्लो, मंगलवार, फरवरी 9 1971 मात्र 20, 1892

No. 116] NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 9, 1971/MAGHA 20, 1892

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह ग्राजन संकलन के कर में रखा जा लके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

ORDER

New Delhi, the 9th February 1971

S.O. 685.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 493, dated the 11th February, 1966, the management of the whole of the industrial undertaking known as the New Bhopal Textile Mills Limited, Bhopal had been taken over by the Authorised Controller referred to therein for a period upto and inclusive of the 10th February, 1971;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said Authorised Controller should continue for a further period upto and inclusive of the 10th February, 1972;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order mentioned above shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 10th February, 1972.

[No. F. 11021/5/71-Tex.(G).]

B. D. KUMAR, Jt. Secy.

विवेश व्यापार मंत्रालय

श्रावश

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1971

कां गाँ 685.—यत: भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय के ग्रादेश सं का श्रा श्रा 493, दिनांक 11 फरवरी, 1966 द्वारा न्यू भोपाल टैक्सटाइल मिल्स लि॰, भोपाल नामक संपूर्ण ग्रीधोगिक उपक्रम का प्रबंध प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा 10 फरवरी, 1971 तक के लिए, जिसमें यह तारीखाँभी शामिल है, ग्रहण कर लिया गया था;

भौर यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त प्राधिकृत नियंत्रक के भ्रधीन उक्त भौद्योगिक उपकर्म का प्रबंध 10 फरवरी, 1972 तक की श्रवधि के लिए जिस में यह तारीख भी शामिल है भौर बना रहना चाहिए;

श्रतः, श्रवः, उद्योग (विकास तथा विनियमन) श्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-ए की उपघारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्- द्वारा मिदेश देती है कि उपरिवर्णित श्रादेश का प्रभाव 10 फरवरी, 1972 तक की श्रविध के लिए, जिसमें यह तारीख भी शामिल है श्रीर बना रहेगा।

[सं॰ फा॰ 11021/5/71-टैक्स (जी)] बी॰ डी॰ कुमार, संयुक्त सचिव।